Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In July 2019

डस्टबिन फुल होते ही कचरा उठाने वाले के फोन पर पहुंचेगा मैसेज

नहीं फैलेगा कचरा : गंदगी के कारण संक्रमण फैलने से कॉलोनी के बच्चे बीमार हुए तो जीजेयू के स्टूडेंट्स ने बनाया गारबेज मॉनिटरिंग सिस्टम

भास्कर न्यूज | हिसार

कूड़े के ढेर के कारण क्रमण फैलने से कॉलोनी में कई बच्चे बीमार हुए तो जीजेयू के स्टूडेंट्स ने एक ऐसा मॉडल तैयार किया, जिससे गारबेज को बिखरने से बचाया जा सकता है। इससे टाइम टू टाइम कूड़ा उठाकर सफाई व्यवस्था रखी जा सकती है और संक्रमण से फैलने वाली बीमारियों को कम किया जा सकता है। इससे कर्मचारियों का समय बचेगा। इलेक्ट्रानिक्स विभाग के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स अमित खर्ब, विनोद भारतीय व शुभी रस्तोगी ने यह प्रोजेक्ट तैयार किया है। प्रो. अजय कुमार प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर रहे व विजयपाल ने गाइड की भूमिका निभाई। वहीं दीपक केडिया विभागाध्यक्ष ने प्रोजेक्ट बनवाने में स्टूडेंट का सहयोग किया। शुभी ने बताया कि वह फरीदाबाद की हैं, उनकी कॉलोनी में कूड़े के ढेर लगे रहते हैं, जिसके चलते वहां मक्खियों की भरमार रहती है, इससे वहां संक्रमण फैलता है जिससे बच्चों को डायरिया व पेट की बीमारियां बहुत अधिक होती हैं। शुभी ने बताया कि उसे यहीं से आइडिया मिला कि अगर कूड़े का डस्टबिन भरते ही कूड़ा उठाने वाले को पता लग जाए तो कूड़ा बाहर नहीं फैलेगा। जिससे बहुत सी संक्रामक बीमारियों से बचा जा सकता है।

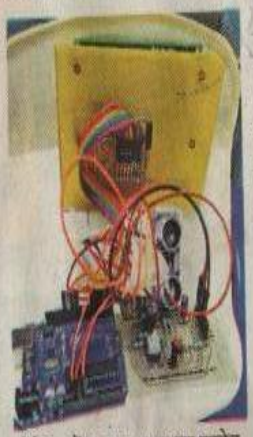

जीजेयू स्टूडेंट्स द्वारा बनाया गया गारबेज मॉनिटरिंग सिस्टम

प्रोजेक्ट में प्रयोग किए गए इक्वीपमेंट

आरडूनो: यह प्रोजेक्ट को कंट्रोल करने का काम करता है।

अल्ट्रासोनिक सैंसर: ये सेंस करता है कितना कूड़ा है। इससे गीले व सूखे कचरे की भी पहचान की जा सकती है।

वाईफाई मोड्यूल: इसे इंटरनेट से कनेक्ट करने के लिए यूज किया गया है।

एलसीडी: डस्टबिन में एक छोटी एलसीडी लगाई गई है, जिसमें प्रतिशत में दिखाएगा की डस्टबिन में कितना कूड़ा भर गया है।

ऐसे करता है काम

प्रोजेक्ट बनाने वाले स्टूडेंट्स ने बताया कि अल्ट्रासोनिक सैंसर वेव जनरेट करता है, यह वेव डस्टबिन में डाले गए कूड़े के लेवल से टकराकर वापस आती है, जिसे अल्ट्रासोनिक सैंसर ही रिसीव करता है। इससे पता लगता है डस्टबिन में कितना कूड़ा है। वाईफाई मॉड्यूल सर्वर पर सिग्नल भेजता है। सर्वर से ईमेल व मैसेज आएगा कि डस्टबिन में कूड़ा भर गया है। गारबेज मॉनिटरिंग सिस्टम को थिंगरडॉट आयो एप से जोड़ा गया है। एप में मोबाइल नंबर से रजिस्ट्रेशन करना पड़ता है। यदि स्मार्टफोन है तो फोन पर एप में मैसेज आएगा। यदि नहीं है तो टेक्स्ट मैसेज व ईमेल मोबाइल पर आ जाएगा जाएगा।

दैनिक भास्कर - 1/7/19

स्टूडेंट्स रोबोटिक्स विषयों में बन सकेंगे एक्सपर्ट

जीजेयू में 42 दिवसीय पाईथन कोर्स शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के स्टूडेंट्स सर्वाधिक प्रचलित तकनीक मशीन लर्निंग यूजिंग पाईथन लैंग्वेज तथा ऑटोमेशन व रोबोटिक्स विषयों में एक्सपर्ट बन सकेंगे। विवि की ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के सहयोग से 42 दिवसीय इनहाउस समर ट्रेनिंग-कम-इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किया है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. अशोक चौधरी कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने की। प्रो. अशोक चौधरी ने कहा कि मशीन लर्निंग एक प्रकार की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है जोकि कंप्यूटर को स्पष्ट रूप से प्रोग्राम किए बिना सीखने की क्षमता प्रदान करती है। मशीन लर्निंग कंप्यूटर प्रोग्राम के विकास पर केंद्रित है जो नए डेटा के संपर्क में आने पर बदल सकता है। इस संदर्भ में, पाईथन कम्युनिटी ने मशीन लर्निंग को लागू करने के लिए विभिन्न प्रकार के मॉड्यूल विकसित किए हैं, जोकि विद्यार्थियों के लिए बहुत लाभदायक हैं।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ट्रेनिंग कार्यक्रम में बीटेक सीएसई, आईटी, इलेक्ट्रोनिक्स, ईसीई तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग के द्वितीय व तृतीय वर्ष के 105 विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर - 2/7/19

लंदन में शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल यूके विवि के डायरेक्टर से मिला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा के नेतृत्व में लंदन के दौरे पर गए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने वोबर्न हाऊस लंदन में यूके यूनिवर्सिटीज इंटरनेशनल की डायरेक्टर मिस विवियन्नी स्टर्न तथा एक्सीटर यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर एवं चीफ एक्जीक्यूटिव प्रोफेसर सर स्टीव स्मिथ से मुलाकात की तथा भारत एवं यूनाईटिड किंगडम के मध्य शिक्षा के क्षेत्र में मजबूत संबंध बनाने बारे चर्चा हुई। तकनीकी शिक्षा मंत्री के साथ इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा के महानिदेशक ए श्रीनिवास, निदेशक के.के. कटारिया, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ टेकेश्वर सचदेवा, दीनबन्धु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मुरथल के कुलपति डॉ राजेन्द्र अनायत, जे.सी बोस यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के कुलपति डॉ दिनेश कुमार, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति डॉ. राजबीर सिंह भी शामिल हैं।

हरिभूमि - 3/7/19

कोर्सों में रिक्त होने वाली सीटों के लिए दूसरी काउसलिंग 9 जुलाई को

गुजवि में एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्स पीसीएम व बायोटेक्नालॉजी के लिए पहली काउसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हिसार। गुजवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में काउसलिंग का निरीक्षण करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्स फिजिक्स, कमेस्ट्री, मैथेमेटिक्स व बायोटेक्नालॉजी के लिए पहली काउसलिंग चौधरी रणबीर सिंह सभागार के मेन हॉल में आयोजित की गई। काउसलिंग के तहत विभिन्न कोर्सों में विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने काउसलिंग का निरीक्षण किया।

■ परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रथम काउसलिंग में सामान्य श्रेणी के 36 व उससे अधिक नम्बर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शामिल किया गया

बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्सों में रिक्त होने वाली सीटों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा दूसरी काउसलिंग 9 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

23 जून को हुई थी प्रवेश परीक्षा

...ऑर्डिनेटर प्रो. सुनीता ... बताया कि ... (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्सों में दाखिला के लिए 23 जून को प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया तथा उसी दिन प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया था। परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रथम काउसलिंग में सामान्य श्रेणी के 36 व उससे अधिक नम्बर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शामिल किया गया। अनुसूचित जाति वर्ग के 27 व उससे अधिक तथा बीसी-ए वर्ग के लिए 31 व उससे अधिक नम्बर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने भाग लिया। बीसी-बी वर्ग में 29 व उससे अधिक नम्बर प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल हुए। इसके अतिरिक्त अन्य वर्गों के सभी विद्यार्थियों को काउसलिंग में भाग लेने का मौका दिया गया।

फिजिक्स में 51 से अधिक अंक वालों का दाखिला

पहली काउसलिंग के तहत बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री फिजिक्स के लिए सामान्य वर्ग में प्रवेश परीक्षा में 51 व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का दाखिला हुआ। बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री केमेस्ट्री में सामान्य वर्ग में 52 व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का दाखिला हुआ। उन्होंने बताया कि बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री मैथेमेटिक्स में सामान्य वर्ग में 47 व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का दाखिला हुआ। इसके अतिरिक्त बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री बायोटेक्नालॉजी में सामान्य वर्ग में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा में 45 व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने दाखिला लिया। उन्होंने बताया कि बीएससी (ऑनर्स)- एमएससी ड्यूल डिग्री कोर्सों में रिक्त होने वाली सीटों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा दूसरी काउसलिंग 9 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

हैल्प डेस्क से मिली मदद

विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डा. अनिल भानखड़ ने बताया कि काउसलिंग से सम्बन्धित आने वाले समस्याओं को लेकर एनएसएस द्वारा दो हैल्प डेस्क लगाए गए जिसमें 25 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। हैल्प डेस्क के माध्यम से दाखिल लेने आए विद्यार्थियों को दाखिले से सम्बन्धित कागजात, काउसलिंग स्थान व अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर को 'इंडियन आइकन अवार्ड'

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

■ वीसी को प्रतिष्ठित सम्मान शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में अति विशिष्ट योगदान के लिए दिया गया

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ने एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को अटल बिहारी बाजपेयी अंतर्राष्ट्रीय विचार मंच की ओर से 'इंडियन आइकन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान द्वारका में हुए सम्मान समारोह में दिया गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान शिक्षा व अनुसंधान के क्षेत्र में अति विशिष्ट योगदान के लिए दिया गया है। यह सम्मान कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से उनकी धर्मपत्नी प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने प्राप्त किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार को इससे पूर्व भी कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। अभी हाल ही में उन्हें इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साईसिज द्वारा फेलो अवार्ड से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त उन्हें डा. एस. राधाकृष्णन एजुकेशन एक्सिलैंस अवार्ड, एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड, लाइफ टाइम अचीवमैंट अवार्ड, विद्यासागर अवार्ड व विजयश्री अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। यह सम्मान न केवल प्रो. टंकेश्वर कुमार के लिए एक महान उपलब्धि है बल्कि विश्वविद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण भी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में समग्र व संरचनात्मक विकास के अलावा अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ाया दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए एकल बालिका शिशु के लिए अतिरिक्त सीट का आरक्षण, महिला छात्राओं के लिए मातृत्व अवकाश, वरिष्ट नागरिकों के लिए कंप्यूटर शिक्षा पाठ्यक्रम जैसी महान सामाजिक गतिविधियां कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की सोच के चलते हुई हैं। प्रो. टंकेश्वर कुमार एफआरपी के तहत भारत के पहले यूजीसी प्रोफेसर हैं और यूजीसी-नैक टीम और नेशनल अकादमी ऑफ साइंसिज इंडिया के सदस्य भी रहे हैं। इसके अलावा प्रो. टंकेश्वर कुमार के राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जर्नल्स में 140 से अधिक प्रकाशन हो चुके हैं।

यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की चीफ ने कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में काम करने की जताई इच्छा: राम बिलास

• दोनों देशों की तुलनात्मक शिक्षा एवं तकनीक पर बातचीत हुई

चंडीगढ़, 3 जुलाई (सवेरा ब्यूरो) : हरियाणा तकनीकी शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा के नेतृत्व में लंदन दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में शिक्षा देने वाली विश्व की ख्यातिप्राप्त यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में उच्च अधिकारियों से मीटिंग करके उच्चतर एवं तकनीकी शिक्षा बारे चर्चा की।

यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की प्रो. वाइस चांसलर इंटरनेशनल एवं चीफ एग्जीक्यूटिव मैरी स्टेयनसी की हरियाणा प्रतिनिधिमंडल के साथ कंप्यूटर साइंस की डिग्री को लेकर दोनों देशों की तुलनात्मक शिक्षा एवं तकनीक पर बातचीत हुई। मैरी स्टेयनसी ने माना कि उनकी यूनिवर्सिटी में भारत से पढ़ने आने वाले विद्यार्थी वास्तव में प्रतिभावान होते हैं और यहां से डिग्री पूरी करने के बाद काफी बड़े पैकेज पर जॉब कर रहे हैं। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार उच्चतर व तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों की शिक्षा पर भी जोर दे रही है। जिस पर मैरी स्टेयनसी काफी प्रभावित हुई। कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में एक-दूसरे के साथ भविष्य में काम करने पर की इच्छा जताई। शर्मा की अध्यक्षता में प्रतिनिधिमंडल ने साऊथ एंड सैंट्रल एशिया के बिजिनेस रीजनल डेवलपमैंट मैनेजर लेविस मैककिन्नॉन के साथ भी मीटिंग की। इस दौरान उनके साथ तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा के महानिदेशक ए. श्रीनिवास, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. टंकेश्वर सचदेवा, दीनबन्धु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मुरथल के कुलपति डॉ. राजेन्द्र अनायत, जे.सी बोस यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार, मिहर्ष दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति डॉ. राजबीर सिंह और तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक के.के. कटारिया भी उपस्थित रहे।

▸▸ प्रदेश के शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन की प्रो. वाइस चांसलर इंटरनेशनल एवं चीफ एग्जीक्यूटिव मैरी स्टेयनसी को भगवद् गीता की प्रति भेंट करते हुए।

हरियाणा और बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के बीच एकेडमिक सहयोग पर हुई चर्चा

लंदन में चांसलर लॉर्ड कर्न बिलिमोरिया से मुलाकात करते हुए शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा। उनके साथ हैं हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक ए. श्रीनिवास, गुरू जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलोजी हिसार के वाइस चांसलर डॉ. टंकेश्वर सचदेवा, हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के डिप्टी सैक्रेटरी हितेश कुमार व फिक्की के रिजनल हैड जी.बी सिंह।

चंडीगढ़, 5 जुलाई (सवेरा ब्यूरो) : राज्य के शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा ने आज यू.के के लंदन स्थित 'हाऊस ऑफ कॉमन्स' और 'हाऊस ऑफ लॉर्ड्स' का दौरा किया। विश्व की टॉप यूनिवर्सिटियों में से एक लंदन के बर्मिंघम यूनिवर्सिटी पहुंचकर चांसलर लॉर्ड कर्न बिलिमोरिया से मुलाकात की। इस दौरान शिक्षा मंत्री के साथ हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के महानिदेशक ए. श्रीनिवास, गुरू जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलोजी हिसार के वाइस चांसलर डॉ. टंकेश्वर सचदेवा, हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के डिप्टी सैक्रेटरी हितेश कुमार, फिक्की के रिजनल हैड जी.बी सिंह भी उपस्थित थे। हरियाणा के शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा की अगुवाई में लंदन दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल ने बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के चांसलर समेत अन्य उच्चाधिकारियों से हरियाणा की यूनिवर्सिटियों और बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के बीच एकेडमिक सहयोग करने के लिए चर्चा हुई। लॉर्ड कर्न बिलिमोरिया ने हरियाणा के शिक्षा मंत्री को शैक्षणिक मामलों में हरियाणा और ब्रिटेन के बीच घनिष्ठ संबंध स्थापित करने में मदद करने का आश्वासन दिया। शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार के मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा तैयार की जा रही नई शिक्षा नीति में विदेशों की अच्छी यूनिवर्सिटियों के साथ मिलकर संस्थान स्थापित करने तथा वहां की टॉप यूनिवर्सिटियों के कैंपस भारत में खोलने बारे मुद्दा उठाया जाएगा। ज्ञात रहे कि बर्मिंघम यूनिवर्सिटी में ही सबसे पहले ऐसमेकर तथा प्लास्टिक हार्ट-वाल्व बनाया गया था।

प्लेसमेंट ड्राइव में जीजेयू के दो विद्यार्थियों का चयन

जीजेयू ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के अधिकारियों के साथ चयनित विद्यार्थी।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से दिल्ली स्थित जे. मित्रा एंड कंपनी के साथ मिलकर सोमवार को ई-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में कंपनी ने विश्वविद्यालय के बॉयो एंड नेनो टेक्नालॉजी विभाग के दो विद्यार्थियों का चयन किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ई-कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के बॉयो एंड नेनो टेक्नालॉजी विभाग के 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कंपनी के निदेशक डॉ. डीजे चावला ने प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन किया। कंपनी के अधिकारी द्वारा ऑनलाइन टेस्ट और व्यक्तिगत तकनीकी साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार के आधार पर कंपनी ने विश्वविद्यालय के बॉयो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग के एमएससी बॉयो टेक्नोलॉजी के दो विद्यार्थियों का चयन किया। प्लेसमेंट निदेशक ने बॉयो एंड नेनो टेक्नोलॉजी विभाग के निदेशक प्रो. विनोद छोक्कर का विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए धन्यवाद किया। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया चयनित विद्यार्थियों में भूपिंद्र व कौशल शामिल हैं। चयनित विद्यार्थियों को 2.76 लाख रुपये वार्षिक का पैकेज दिया जाएगा।

अमर उजाला- 9/7/19

आयोजन गुजवि में यूजीसी- मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम संपन्न

ई-कंटेंट और ऑनलाइन कोर्सिज जरूरी

गुजवि में ओरिएंटेशन कार्यक्रम के समापन समारोह के अवसर पर पौधरोपण करते प्रो. नीरज।

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि शिक्षण की गुणवत्ता और छात्रों के सीखाने की गुणवत्ता उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों द्वारा निर्धारित की जाती है। आज ओपन एजुकेशनल रिसोसिर्स, ई-कंटेंट, मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सिज आदि शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। कौशल और प्रतिबद्धता के साथ प्रशिक्षित शिक्षक और वैज्ञानिक महत्वपूर्ण सोच विकसित कर सकते हैं। प्रो. दिलबागी विश्वविद्यालय के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र द्वारा आयोजित 21 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर रहे थे। कार्यक्रम का समापन पौधरोपण के साथ संपन्न हुआ। कोर्स समन्वयक प्रो. वन्दना पूनिया व डा. अनुराग सांगवान भी इस दौरान मौजूद रहे। प्रो. दिलबागी ने कहा कि कहा कि इस कोर्स का मुख्य उद्देश्य ई-सामग्री के अर्थ, डिजाइन और विकास को समझना है। डिजिटलाइजेशन के कारण हमारी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आया है। शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल टूल व नवीनतम तकनीकों से अवगत करवाने की आवश्यकता है। कोर्स समन्वयक डा. अनुराग सांगवान ने कोर्स की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागी डा. राजेश कुमार, डा. मनजीत सिंह व डा. रूचि शर्मा ने भी अपने विचार रखे। डा. अनुराग सांगवान ने बताया कि कोर्स के समापन अवसर पर बागवानी विभाग के सौजन्य से सभी प्रतिभागियों द्वारा पौधरोपण किया गया।

दैनिक जागरण- 9/7/19

जमीन के अंदर हलचल पर गुजवि में मंथन करेंगे भूगर्भ वैज्ञानिक

जागरण संवाददाता, हिसार : जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की वार्षिक आम बैठक (एजीएम)-2021 का आयोजन गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में होगा। इस दौरान विश्वविद्यालय में एक सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा। यह निर्णय जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया की बैठक में लिया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि यह आयोजन हरियाणा में पहली बार हो रहा है। यह प्रदेश व विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष व गौरव का विषय है। साथ ही विश्वविद्यालय में इस आयोजन का चुनाव विश्वविद्यालय के उच्चस्तरीय शैक्षणिक ढांचे को मान्यता भी देता है।

विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के अध्यक्ष एवं जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के फेलो प्रो. आर भास्कर ने बताया कि सोसाइटी के शुरुआती वर्षों में वार्षिक आम बैठकों का आयोजन सोसाइटी के मुख्यालय बेंगलुरू में ही किया जाता था। रजत जयंती वर्ष के बाद देश के अन्य भागों में यह बैठक करने का सिलसिला शुरू हुआ।

1958 में हुई थी सोसायटी की स्थापना: जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की स्थापना, साठ साल पहले 28 मई, 1958 को हुई थी, जिसने अर्थ सिस्टम साइंस की सभी शाखाओं में उन्नत अध्ययन और अनुसंधान के कारण को बढ़ावा दिया। बैठक का उद्देश्य भू-विज्ञान की सभी शाखाओं में उच्चस्तरीय अध्ययन व अनुसंधान को बढ़ावा देना और सोसायटी की गतिविधियों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। सम्मेलन के दौरान होने वाले सेमिनारों में समकालीन भू-वैज्ञानिक से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाती है।

दो वर्ष पहले तय हो जाता है आयोजन स्थल

एजीएम का आयोजन प्रति वर्ष आमतौर पर सितंबर के महीने में किया जाता है और आगामी दो वर्षों के लिए आयोजन स्थलों को पहले से तय किया जाता है। जियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है। सोसायटी की वेबसाइट पर प्रकाशन के लिए चयनित लेखों की पूर्ण प्रक्रिया की जानकारी उपलब्ध है। जियोलॉजिकल सोसाइटी प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के सम्मान में स्थापित किए गए पुरस्कारों और एंडोवमेंट लेक्चर्स की संख्या का प्रबंधन करती है और ये पुरस्कार हर वर्ष एजीएम के एक भाग के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं।

दैनिक जागरण - 10-7-2019

मंहगें उपकरणों के विज्ञापन देख बना दिया सस्ते दर में जुगाड़

इलेक्ट्रोनिक उपकरणों को कंट्रोल करेगा सिस्टम

- अंधेरे के वक्त किसान मोबाइल पर बोलकर किसी भी इलेक्ट्रोनिक उपकरण को चालू व बंद कर सकता है

हरिभूमि ब्यूज ▶▶ हिसार

अब घर में एक जगह बैठे-बैठे अपने स्मार्ट फोन में लगे ब्लुटूथ की मदद से हर इलेक्ट्रोनिक उपकरणों को मनमर्जी से ऑन व बंद किया जा सकेगा। हालांकि यह सिस्टम विदेशी पद्धति होने के कारण मंहगी है, जोकि हर आदमी के यह सिस्टम अपनाना संभव नहीं है लेकिन हर आदमी की पहुंच तक पहुंचाने के लिए गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रोनिक एंड कम्यूनिकेशन विभाग के अंतिम वर्ष के छात्र प्रिंस, अक्षित और दिव्यम ने छह माह की

मेहनत में होम ओटोमेशन यूजिंग ब्लूटुथ सिस्टम बनाकर कर दिखाया है। विभाग के ही प्रोफेसर विनोद कुमार व प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर डॉ. विजयपाल ने इस उपकरण बनाने में विद्यार्थियों की मदद की।

मात्र 900 रुपये में तैयार किया यह उपकरण घरों से लेकर खेतों में किसानों के लिए कारगर सिद्ध होगा। बड़ा फायदा यह है कि खेत में अंधेरे के वक्त किसान मोबाइल पर बोलकर किसी भी इलेक्ट्रोनिक उपकरण को चालू व बंद कर सकता है। उसे न उठने की जरूरत है और न चलने की।

ओटोमेशन यूजिंग ब्लूटुथ सिस्टम ऐसे करेगा काम

ओटोमेशन यूजिंग ब्लूटुथ सिस्टम में कुल तीन उपकरणों का इस्तेमाल किया गया है, जिनमें आरडीनो सिस्टम, रिले स्विचिस व ब्लूटुथ मॉड्यूल। सबसे पहले स्मार्ट फोन में ब्लूटुथ एप डाउनलोड कर ऑन किया जाता है। साथ ही वोइस एप को डाउनलोड कर उसमें संबंधित व्यक्ति की आवाज रिकोर्ड कर दी जाती है।

एक रिले स्विचिस से चार उपकरणों को कंट्रोल किया जा सकता है, जिस इलेक्ट्रिनिक उपकरण को कंट्रोल करना है तो उसमें ऑरडीनो सिस्टम फिट कर दिया जाता है, जोकि ब्लूटुथ और

फोन से कंट्रोल

घर में लगे इलेक्ट्रोनिक सिस्टम को अब स्मार्ट फोन के ब्लूटुथ के जरिए कंट्रोल किया जा सकेगा। वो भी सस्ते दर में।
- डॉ. विजयपाल, प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर, इलेक्ट्रोनिक एंड कम्यूनिकेशन विभाग।

ऑरडीनो सिस्टम एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं। जैसे ही टीवी या फिर कोई भी इलेक्ट्रोनिक उपकरण चालू या फिर बंद करना होता है तो स्मार्ट फोन पर संबंधित उपकरण का नाम बोलकर ऑन या फिर ऑफ बोल दिया जाता है, जिससे वोइस आरडीनो सिस्टम से होते हुए रिले स्विचिस पहुंच जाती है, जो भी उपकरण होगा, उसके वायर संचालित होकर कमांड के अनुसार काम कर देते हैं।

Hari Bhoomi 10.07.2019

प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के चार विद्यार्थियों का चयन

हिसार, 10 जुलाई (निस) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से नोएडा स्थित कुमार लैबेल्स के साथ ऑफ-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया गया। ड्राइव में विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑफ-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग के आठ विद्यार्थियों ने भाग लिया। कम्पनी के निदेशक अनुज भार्गव ने प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन किया गया। कंपनी अधिकारी द्वारा प्लेसमेंट प्रक्रिया में प्रि-प्लेसमेंट टॉक दी गई तथा विद्यार्थियों का व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार के आधार पर कंपनी द्वारा बीटेक प्रिंटिंग के चार विद्यार्थियों का चयन किया है। प्लेसमैंट निदेशक ने प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभागके निदेशक डा. आरोहितका विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए धन्यवाद किया है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया चयनित विद्यार्थियों में अभिषेक वशिष्ठ, आशिश कुमार, दीपक कुमार व सूर्या प्रकाश ठाकुर शामिल हैं।

पाठकपक्ष - 10/7/19

गुजवि में शुरू हुआ फेसबुक पेज डिस्टेंस एजुकेशन

हिसार/09 जुलाई/रिपोर्टर

हिसार. गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय द्वारा फेसबुक पेज डिस्टेंस एजुकेशन जीजेयू शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस फेसबुक पेज को लॉंच किया। कुलपति ने बताया कि आज प्रत्येक व्यक्ति सोशल मीडिया के साथ जुड़ा हुआ है। अधिकतर विद्यार्थी भी फेसबुक का प्रयोग करते हैं। इसलिए निदेशालय द्वारा फेसबुक पेज शुरू किया गया है। यह पेज सम्बन्धित विद्यार्थियों तक सूचना भेजने के लिए अति उपयोगी होगा। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. महेश चन्द्र गर्ग ने बताया कि फेसबुक पेज पर दूरस्थ शिक्षा विभाग से सम्बन्धित महत्वपूर्ण सूचनाएं समय-समय पर अपडेट की जाएंगी। विभाग द्वारा दूरस्थ शिक्षा विभाग से सम्बन्धित सिनोपसिज, असाईनमैंट, पोर्टफोलियो, परीक्षा तिथि व परीक्षा से सम्बन्धित जानकारी अपडेट की जाएगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा विभाग के तहत सात स्नातकोत्तर, चार स्नातक, तेरह डिप्लोमा कोर्स तथा एक सर्टिफिकेट कोर्स चलाया जा रहा है। विद्यार्थी 31 जुलाई तक ऑनलाइन फार्म एप्लाई कर सकता है। उन्होंने बताया कि एमबीए व एमसीए में प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाएगा। इस अवसर पर उपनिदेशक राजवीर सिंह मलिक, डॉ. संजय तिवारी, विनोद गोयल, डॉ. सुनैना व निदेशालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

नभ छोर - 09-7-2019

चीन में भारतीय सभ्यता और संस्कारों का किया प्रदर्शन

गुजवि के स्वयंसेवकों के चीन के दौरे के दौरान विद्यार्थी। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दो स्वयंसेवक प्राची बेरवाल और मोहित दहिया भारत-चीन संस्कृति के आदान-प्रदान कार्यक्रम के भारतीय दल में शामिल हुए। दल ने चीन के बीजिंग, शंघाई, युहान कनमिंग और गुआंगजाऊ का दौरा किया गया और चीन में भारतीय सभ्यता व संस्कारों का प्रदर्शन किया गया। विश्वविद्यालय पहुंचने पर विद्यार्थियों ने अपने अनुभव शेयर किए। भारतीय दल में शामिल प्राची बेरवाल ने बताया कि दौरे के दौरान उन्हें चीन के 1500 से 2000 वर्ष पुराने इतिहास से अवगत करवाया गया। चीन में होने वाले किसी भी बड़े से बड़े कार्यक्रम की जिम्मेदारी वहां की बीजिंग वोलेंटियर सर्विस फेडरेशन निभाती है, जो भारत की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की तरह है। उन्होंने बताया कि फेडरेशन में बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हो सकते हैं, बल्कि भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना केवल स्कूल, कालेज व विश्वविद्यालय तक सीमित है, जिसका विस्तार किया जाना चाहिए। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के समन्वयक डा. अनिल भानखड़ ने दोनों स्वयंसेवकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत व चीन की संस्कृति के आदान-प्रदान में अपनी अहम भूमिका निभाई है।

जीजेयू की प्राची बेरवाल और मोहित भारत-चीन संस्कृति के आदान-प्रदान कार्यक्रम के भारतीय दल में शामिल

डा. अनिल भाखनड़ ने बताया कि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सच्ची लग्न, मेहनत व ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजपथ पर होने वाली परेड की बात हो या फिर अन्य कार्यक्रम, विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

दैनिक जागरण- 12/7/19

योग क्रिया ही नहीं, शरीर, मन और आत्मा को साधने का मार्ग है : सुनीता

जीजेयू में आध्यात्मिकता, योग एवं नैतिक मूल्य विषय पर कार्यशाला

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में आयोजित कार्यशाला के प्रतिभागियों के साथ प्रोफेसर।

जीजेयू के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र ने आध्यात्मिकता, योग एवं नैतिक मूल्य' विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला शुरू की। जीजेयू के फिजिक्स विभाग की प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा ने कार्यशाला का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कार्यशाला समन्वयक प्रो. वंदना पुनिया व डॉ. अनुराग सांगवान हैं।

प्रतिभागियों को प्रो. सुनीता श्रीवास्तवा ने कहा कि हमारे जीवन में आधात्मिकता, योग व नैतिकता बहुत आवश्यक है। योग वैदिक काल से चला आ रहा है। योग स्वास्थ्य के साथ-साथ मन को एकाग्रित करता है। उन्होंने कहा कि योग केवल योगासन की क्रियाओं का नाम नहीं है। योग तो शरीर, मन व आत्मा को साधने का मार्ग है। उन्होंने योग व योगाभ्यास के सात आध्यात्मिक नियमों पर विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय द्वारा भी योग को बढ़ावा देने के लिए पीजी डिप्लोमा व मास्टर डिग्री कोर्स शुरू किया गया है। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि देश के युवाओं में कौशल विकास की कमी है, जिसको शिक्षक ही पूरा कर सकता है।

दैनिक भास्कर- 16/7/19

आज पौधे लगाने के साथ-साथ सौर ऊर्जा भी समय की मांग : प्रो. टंकेश्वर

गुजवि में जनसंख्या और पर्यावरण विषय पर कार्यशाला का किया गया आयोजन

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पर्यावरण और जनसंख्या का गहरा संबंध है। सुरक्षित पर्यावरण में ही स्वस्थ मानव निवास कर सकता है। देश के पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। प्रो. टंकेश्वर कुमार विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 'जनसंख्या और पर्यावरण' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के बोटनी विभाग की प्रो. डेजी बातीश कार्यशाला की मुख्य वक्ता थी। विभागाध्यक्ष प्रो. आर. बास्कर भी उपस्थित रहे।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सौर ऊर्जा का प्रयोग समय की मांग है। विश्व के कई देश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भारत को भी इस दिशा में सार्थक कदम उठाने की जरूरत है। हम अपने घरों में भी पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते है। इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर मंथन करने का दिन है। जनसंख्या नियंत्रण पर भी हमें और अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एक वैश्विक मुद्दा बन चुका है। समय रहते इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम नहीं उठाए गए तो पृथ्वी आने वाली पीढ़ियों के रहने के लिए उपयुक्त नहीं रहेगी। मुख्यवक्ता प्रो. डेजी बातीश ने कहा कि जनसंख्या एवं पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनसंख्या का निश्चित सीमा से अधिक बढ़ना एक गंभीर समस्या है।

औद्योगीकरण के बाद संसाधनों की बेहतर उपलब्धता के कारण दुनिया भर में जनसंख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास और जनसंख्या भी एक दूसरे के साथ जुड़े हुए है। विकसित देशों की तुलना में कम विकसित देशों की जनसंख्या वृद्धि दर अधिक है। देश की राजधानी दिल्ली व मुबई दुनिया के 10 सबसे अधिक आबादी वाले शहरों में से है। उन्होंने अपने विशेष व्याख्यान में देश में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, पानी बचाने, वायु व जल प्रदूषण पर रोक लगाने की अपील भी की।

मुख्य वक्ता प्रो. डेजी बतीश को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति व अन्य। • जागरण

पर्यावरण के विनाश पर एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई

विभागाध्यक्ष प्रो. आर भास्कर ने उपलब्धियों व शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रो. राजेश लोहचब व प्रो. प्रवीण शर्मा ने भी जनसंख्या दिवस के महत्व बारे जानकारी दी। कार्यशाला में राष्ट्रीय कैडेट कोर की लड़कियों द्वारा अधिक जनसंख्या के नकारात्मक परिणामों पर विशेष नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया। कार्यशाला के अंत में अतिवृष्टि के परिणामस्वरूप पर्यावरण का विनाश पर एक डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई। धन्यवाद प्रस्ताव डा. अनु गुप्ता ने प्रस्तुत किया।

दैनिक जागरण- 12/7/19

जीजेयू • 'डिजिटल इनिशियेटिवस ऑफ गवर्नमेंट ऑफ इंडिया इन हायर एजुकेशन' पर कार्यशाला

फीस-शिकायतें सब ऑनलाइन फिर भी लाइन में लगे रहते हैं स्टूडेंट्स, ई-लर्निंग पर ध्यान दें : वीसी

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि डिजिटलाइजेशन वर्तमान समय की मांग है। शिक्षा के क्षेत्र में नए बदलावों को न केवल स्वीकार किया जाना चाहिए बल्कि इनका बेहतर प्रयोग करना चाहिए। प्रो. टंकेश्वर कुमार जीजेयू के पब्लिक ऑऊटरिच विभाग द्वारा 'डिजिटल इनिशियेटिवस ऑफ गवर्नमेंट ऑफ इंडिया इन हायर एजुकेशन' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। विवि के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. आर बास्कर ने की। आईसीटी एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट, मानव संसाधन विकास केन्द्र, भारत सरकार, न्यू दिल्ली के निदेशक प्रो. के. श्रीनिवास मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

जीजेयू में आयोजित कार्यशाला में मुख्यवक्ता प्रो. के. श्रीनिवास को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अन्य।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा शोधार्थी किसी भी संस्थान के स्तम्भ होते हैं। शोधार्थी ही संस्थान को ऊंचाइयों तक ले जा सकता है। शोधार्थियों को भी ई-लर्निंग पर अधिक ध्यान देना चाहिए। डिजिटल तकनीक के प्रयोग में भारत में अभी और बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। हमें तकनीकी जानकारियों के प्रति और अधिक सजग होना होगा। विश्वविद्यालय द्वारा दाखिले से लेकर रिजल्ट तक, सभी फीस, विद्यार्थियों व कर्मचारियों की किसी भी प्रकार की शिकायत हो या अन्य कार्य, प्रत्येक कार्य ऑनलाइन किए हैं। उसके बावजूद विद्यार्थी बैंकों में लम्बी-लम्बी कतार में लगे रहते हैं। शोधार्थियों को मैशिव ऑपन ऑनलाइन कोर्स के साथ जुड़ना चाहिए। आईसीटी एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट, मानव संसाधन विकास केन्द्र, भारत सरकार, न्यू दिल्ली के निदेशक प्रो. के. श्रीनिवास ने मुडल टूल, स्क्रिन कास्टिफाई, एमबडिड कोड व क्रेटिव कॉमन्स के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने लर्न, अनलर्न व रिलर्न तीन महत्वपूर्ण बिन्दुओं की भी जानकारी दी। डॉ. अनु गुप्ता, डॉ. संतोष भुक्कल व डॉ. मोना शर्मा कार्यशाला समन्वयक है। डॉ. देवेन्द्र मुदगिल व सलोनी गुप्ता कार्यशाला के रिसर्च स्कोलर कोर्डिनेटर हैं।

दैनिक भास्कर - 16/7/19

जीजेयू के 30 कैडेट ने मिर्जापुर गांव में चलाया स्वच्छता अभियान

हिसार | जीजेयू की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने मिर्जापुर में स्वच्छता अभियान चलाया। एनसीसी समन्वयक डॉ. राजीव कुमार के नेतृत्व में 30 कैडेट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर प्रोग्राम अधिकारी डॉ. अभिषेक सैनी उपस्थित रहे। एनसीसी कैडेट्स ने गांव में सफाई अभियान चलाया। एनसीसी गर्ल्स समन्वयक डॉ. मिनाक्षी भाटिया ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान में बच्चे, युवा, बजुर्ग व महिलाओं सहित सभी नागरिकों को योगदान देना चाहिए।

दैनिक भास्कर - 17/7/19

शिक्षा • आधुनिक प्रशिक्षण पाकर बेहतर काम कर सकेंगे हरियाणा के कर्मचारी व अधिकारी

अब हिसार में होगी एचसीएस, आईएएस की ट्रेनिंग, अंतर राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र का होगा निर्माण

• यूके के किंग्स कॉलेज के साथ हुआ समझौता

- भास्कर न्यूज | राजधानी हरियाणा

हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर विवि में अंतर राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण किया जाएगा। इसमें हरियाणा के सभी सिविल कर्मचारी, तकनीकी क्षेत्र के अध्यापक एवं अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

साथ ही इसी संस्थान में एचसीएस और आईएएस को भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए हरियाणा सरकार ने लंदन के किंग्स कॉलेज के साथ समझौता किया है। प्रशिक्षण केंद्र में विश्व स्तर का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि हरियाणा के कर्मचारी भी समय के साथ आगे बढ़ सकें। दूसरी ओर हरियाणा में गरीब वर्ग का कोई विद्यार्थी अब उच्च शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। इसके लिए 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बारहवीं पास करने के बाद हॉयर एजुकेशन के लिए यह राशि उपलब्ध होगी।

हरियाणा के विद्यार्थी अब यूके पढ़ने जा सकेंगे जबकि वहां से भी विद्यार्थी हरियाणा में पढ़ने आएंगे। हिसार में बनने वाले प्रशिक्षण केंद्र में लंदन से ऑन लाइन कोर्स भी कराए जाएंगे।

लंदन विजिट के दौरान कई एमओयू हुए हैं साइन

तकनीकी शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा ने बुधवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि लंदन विजिट के दौरान कई एमओयू साइन किए हैं जिससे हरियाणा में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा लंदन के विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च करेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ नॉर्थम्पटन और नॉट्टिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी यूके के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि हरियाणा में प्रगतिशील-इकोसिस्टम स्थापित हो सके। लंदन यूनिवर्सिटी ने हरियाणा के साथ कंप्यूटर साइंस, साइबर साइंस व एमएससी डाटा साइंस के लिए टेक्निकल यूनिवर्सिटीज में विच्युवल लर्निंग के माहौल में पैरलल डिग्री चलाने पर सहमति व्यक्त की है। पाठ्यचर्या विकास, योग्यता फ्रेमवर्क, फैकल्टी एक्सचेंज एवं विजिट, स्टूडेंट्स एक्सचेंज, कौशल, तकनीकी शिक्षा, संयुक्त शैक्षणिक अनुसंधान, अनुसंधान का व्यवसायीकरण, वित्त पोषण के अवसर, उद्यमिता , नवाचार और इन्कयूबेशन केंद्र और एलेसमेंट जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

दैनिक भास्कर - 18/7/19

गुजवि या कुवि में अपनी ब्रांच खोलेगी बर्मिंघम यूनिवर्सिटी : शिक्षा मंत्री

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : शिक्षा मंत्री रामविलास शर्मा ने बताया कि बर्मिंघम यूनिवर्सिटी ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय या हिसार स्थित गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी में अपनी ब्रांच खोलने की पेशकश की है। हरियाणा की यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में तकनीकी शिक्षा में सुधार के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इंग्लैंड से लौटे शिक्षामंत्री ने बुधवार को हरियाणा निवास में पत्रकारों से विदेश दौरे के अनुभव साझा किए।

उन्होंने बताया कि नियम-134 ए के तहत 12वीं कक्षा तक गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिले सुनिश्चित करने के बाद अब प्रदेश शिक्षा ने गरीबों के लिए उच्च शिक्षा का बंदोबस्त भी कर दिया है। मेधावी गरीब बच्चों को स्नातक, मेडिकल, बीटेक व इंजीनियरिंग सहित अन्य तकनीकी कोर्सों में दाखिले के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग ने 20 करोड़ रुपये रखे हैं। जल्द ही पोर्टल 'शिक्षा सहयोग' लांच होगा, जिस पर पात्र युवा फीस के भुगतान के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शैक्षणिक स्टाफ के रिक्त पदों को स्थायी भर्ती से पूरा किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस दौरान नॉटिघंम यूनिवर्सिटी, मिडल सेक्स यूनिवर्सिटी और नॉर्थपटन यूनिवर्सिटी से एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अलावा किंग्स कॉलेज हिसार में एचआरडी (मानव संसाधन विकास) सेंटर खोलेगा। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी ने भी तकनीकी पढ़ाई में मदद की पेशकश की है। तकनीकी शिक्षा मंत्री के साथ विभाग के महानिदेशक ए श्रीनिवास, निदेशक केके कटारिया, गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. टंकेश्वर सचदेवा, दीनबंधु छोटूराम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी मुरथल के कुलपति डॉ. राजेंद्र अनायत, वाईएमसीए यूनिवर्सिटी फरीदाबाद के कुलपति डॉ. दिनेश बंसल ने व पंडित लख्मीचंद राज्य दृश्य कला एवं प्रदर्शन विश्वविद्यालय के वीसी ने अपने दौरे के अनुभव बताए।

हरियाणा निवास में पत्रकारों से रू-ब-रू शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा। फोटो-संजय घिल्डियाल

अफसरों की ट्रेनिंग को खुलेंगे सेंटर

गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. टंकेश्वर सचदेवा ने बताया कि इंग्लैंड में विश्वविद्यालय और उद्योग आपस में जुड़े हुए हैं। यूके के सभी विश्वविद्यालयों को संचालित करने वाली यूनिवर्सिटी यूके इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों के साथ इस पर लंबा मंथन हुआ कि कैसे हरियाणा के छात्र तकनीकी शिक्षा के लिए इंग्लैंड के विश्वविद्यालयों में आएं और कैसे यूके के छात्रों को भारतीय विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का मौका दिलाया जा सके। वीसी ने बताया कि अब हरियाणा के विश्वविद्यालयों में ऐसे सेंटर खोले जाएंगे जहां सरकारी अफसरों को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

22 को स्कॉटलैंड से आएगी टीम, शिक्षा सुधार पर आगे बढ़ेगी बात

उच्चतर शिक्षा विभाग के महानिदेशक ए श्रीनिवास ने बताया कि विदेशी विश्वविद्यालयों की कई खूबियों को अगले शैक्षिक सत्र तक प्रदेश के विश्वविद्यालयों में लागू कर दिया जाएगा। पाठ्यक्रम को अपडेट किया जाएगा और टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। फैकल्टी एक्सचेंज, छात्रों के आदान-प्रदान, संयुक्त शोध कार्य, स्किल डेवलपमेंट, विश्वविद्यालयों में वैश्विक स्तर की शिक्षा सहित अन्य कई बिंदुओं पर काम किया जाएगा, जिसका असर युवाओं पर साफ दिखेगा। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को स्कॉटलैंड से टीम आएगी जिसके साथ आगे की योजना पर चर्चा होगी।

दैनिक जागरण - 18/7/19

शिक्षा प्रणाली

कुलपति ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2019 को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला को किया संबोधित

जीजेयू में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी पर किया मंथन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विकसित राष्ट्रों में जो शिक्षा प्रणाली है और जो हमारे देश की शिक्षा प्रणाली है। उनके तुलनात्मक अध्ययन को समझते हुए हमें वो सब सुधार लागू करने होंगे जो भारत को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाने में सक्षम हो।

कुलपति गुजवि के आइक्यूएसी सेल की तरफ से शनिवार को ड्राफ्ट नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2019 को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक मामलों की अधिष्ठाता प्रो. उषा अरोड़ा ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालयों में नए-नए विचारों को आमंत्रित करने के लिए स्टार्ट-अप, इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर जैसे नए-नए आयामों पर फोकस किया जा रहा है। यह फोकस सही दिशा में है, लेकिन उद्योगों के साथ मिलकर इसकी गति को बढ़ाना होगा। इससे विश्वविद्यालयों में शोध का स्तर और ऊंचा होगा व विश्वविद्यालय से पास होने वाले विद्यार्थियों को उनकी योग्यता एवं कौशल के हिसाब से उद्योगों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार मिलें। प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 में इन सब बातों का उल्लेख किया गया है और इस बात पर विशेष जोर दिया गया है कि आने वाले समय में उच्चतर शिक्षा क्षेत्र में तीन प्रकार के शिक्षण संस्थान होंगे। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रो. कर्मपाल नरवाल ने कहा कि प्रस्तावित शिक्षा नीति में कई अमूल चूल प्रस्ताव रखे गए हैं जो स्कूली शिक्षा से लेकर महाविद्यालय स्तर की शिक्षा व विश्वविद्यालय स्तर की शिक्षा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते दिखाई दे रहे हैं।

कार्यशाला को संबोधित करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

ट्रांसफर ड्राइव की खामियों को दूर करने की मांग

हिसार। हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई प्रिंसिपल, लेक्चरर, मुख्याध्यापक व अध्यापकों की स्थानांतरण प्रक्रिया में बहुत सी कमियां बताई हैं। हसला प्रधान दलबीर पंघाल ने बताया कि सरकार ने हाई स्कूलों से सभी प्राध्यापकों के पदों को सरप्लस कर दिया है व सीनियर सेकेंडरी स्कूलों में भी 30 सितंबर 2018 के आधार पर सरप्लस कर दी है। जबकि वहां विद्यार्थियों की संख्या काफी है। बच्चों की स्ट्रैंथ 31 जुलाई के आधार पर प्राध्यापकों, अध्यापकों की पोस्ट को आधार बनाया जाना चाहिए जैसे पहले था। जिस अध्यापक व प्राध्यापक को 31 मार्च 2019 को 5 वर्ष पूरे हुए हैं, उसी को ट्रांसफर ड्राइव में लिया जाए बाकी सभी से हां या नहीं के विकल्प मांगे जाएं। पंघाल ने बताया कि 2016 व 2017 में जिन प्राध्यापकों, अध्यापकों को जोन नंबर 6 व 7 में ट्रांसफर किया था, उनको कंपलसरी ट्रांसफर ड्राइव में यदि वो चाहें तो ट्रांसफर की जाए। हसला प्रधान ने बताया कि सभी केप्ट वेकेंसी खोली जाएं व नवनियुक्त प्राध्यापकों को मौका दिया जाए। पोस्ट सरप्लस न की जाए वर्ना ट्रांसफर पॉलिसी एक ढकोसला साबित होगी। पंघाल ने बताया कि सरकार 2016 से बकाया एचआरए दें व इसे जल्दी से जल्दी देने का कष्ट करें जो कि कर्मचारी का अधिकार है। पदनाम पीजीटी के स्थान पर लेक्चरर किया जाए। कॉलेज कैडर में प्राध्यापकों की पदोन्नति की जाए। मुख्याध्यापक व प्राध्यापक का प्रिंसिपल पद पर पदोन्नति अनुपात संख्या के आधार पर की जाए।

अमर उजाला - 21/7/19

ताकि कैंपस हो ग्रीन एंड क्लीन • केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्वच्छता रैंकिंग के लिए 31 जुलाई तक मांगे आवेदन

जीजेयू-कॉलेज ग्रीनरी और हॉस्टल में सुविधाएं बढ़ाकर स्वच्छता रैंकिंग की दौड़ में

भास्कर न्यूज | हिसार

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने स्वच्छ कैंपस चुनने के लिए यूनिवर्सिटी और कॉलेजों से आवेदन मांगे हैं। जिले में जीजेयू सहित कॉलेज भी स्वच्छ कैंपस मुकाबले की दौड़ में हैं। जीजेयू व उसके अंडर कॉलेजों सहित प्रदेश की अन्य यूनिवर्सिटीज स्वच्छता रैंकिंग के लिए 31 जुलाई तक आवेदन कर सकती हैं। एमएचआरडी ने पिछले वर्ष की अपेक्षा अबकी बार स्वच्छता के पैमानों में विस्तार किया है। कॉलेजों को स्वच्छता रैंकिंग कैंपस की ग्रीनरी, वहां की साफ-सफाई, कैंटीन की हाईजीन, पानी की बेहतर सप्लाई और गार्बेज क्लीयरेंज के आधार पर होगी, साथ ही यह भी देखा जाएगा कि इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी सफाई की जागरूकता फैलाने के लिए कैंपस के बाहर किस तरह की एक्टिविटीज करते हैं। (एमडीयू) रोहतक को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के स्वच्छ कैंपस रैंकिंग 2018 में सरकारी विश्वविद्यालयों (गवर्नमेंट यूनिवर्सिटीज) के वर्ग में प्रथम रैंक प्राप्त हुआ था।

स्वच्छता जांचने के लिए टीम करेगी विजिट

यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में स्वच्छता पैमानों को जांचने के लिए यूजीसी स्वच्छता रैंकिंग टीम निरीक्षण के लिए शिक्षण संस्थानों का दौरा करेगी। यह टीम कॉलेज और यूनिवर्सिटी में विवि में पीएम का लेवल, ग्रीनरी, कर्मचारियों की संख्या सहित अन्य पैमानों पर संस्थानों को परखेगी। 2 अक्टूबर के नजदीक दिल्ली में मानव संसाधन विकास मंत्री सबसे यूनिवर्सिटी व कॉलेज में सबसे स्वच्छ कैंपस का चुनाव की घोषणा करेंगे।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

स्वच्छता रैंकिंग के लिए यूनिवर्सिटी व कॉलेज एमएचआरडी की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। स्वच्छता रैंकिंग में अलग-अलग कैटेगरी दी गई है। इसके आधार पर शिक्षण संस्थान आवेदन कर सकते हैं।

शिक्षण संस्थानों को इन पैमानों पर मापा जाएगा

- डस्टबिन एवलेबिलिटी इन कैंपस: कैंपस में गीले और सूखे कचरे के निस्तारण के लिए नीली और हरी डस्टबिन उपलब्ध हैं या नहीं।
- वाटर सप्लाई और वाटर क्वालिटी: हॉस्टल व कॉलेज कैंपस में मिलने वाला पीने का पानी कितना शुद्ध, और इसकी सप्लाई कैसी है।
- हॉस्टल की मेस और कैंटीन में किचन एरिया समेत खाने के प्रिपेयर करने और इसको परोसने के संबंध में स्वच्छता का ध्यान कितना रखा जाता है।
- ग्रीन कवर एरिया कितना है : कैंपस में प्लांटेशन और ग्रीनरी पर कितना ध्यान दिया गया है या एकेडमिक ब्लॉक्स के नाम पर सिर्फ ग्रीन कवर को डिस्टर्ब किया गया है।
- गार्बेज क्लीयरेंस: कैंपस में रखी डस्टबिन कितने समय में खाली होती हैं। प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन कचरे के मैनेजमेंट को लेकर कितना गंभीर है।
- वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट
- सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट
- रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

जीजेयू ने स्वच्छता रैंकिंग के लिए किए ये प्रयास

- सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट
- वाटर हार्वेस्टिंग
- कैंपस में पौधे लगाकर ग्रीनरी को बढ़ाया है। हाल ही में 550 पौधे लगाए हैं।
- सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया है।
- प्रत्येक हॉस्टल में आरओ लगवाए हैं। हॉस्टलों को रिनोवेट किया गया है।
- मैस में नए फर्नीचर के साथ स्वच्छता बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

"कॉलेज की ओर से स्वच्छता रैंकिंग के लिए अप्लाई किया जाएगा। सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। कॉलेज में हरियाली के लिए और अधिक पौधे लगाए गए हैं। साथ ही कैंपस में डस्टबिन की संख्या भी बढ़ाई गई है, वहीं ऑर्गेनिक पौधे लगाने पर अधिक जोर दिया जा रहा है।" -**प्रो. सत्य सुरेंद्र सिंगला**, डायरेक्टर, इम्पीरियल कॉलेज।

"जीजेयू की ओर से भी स्वच्छता रैंकिंग के लिए आवेदन किया जाएगा। विवि को स्वच्छता के पायदान में शीर्ष पर लाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्वच्छता रैंकिंग के सभी पैमानों में विस्तार किया है। स्वच्छता को बढ़ाने के लिए आरओ व मैस पर काफी काम किया गया है।" -**प्रो. टंकेश्वर कुमार**, वीसी, जीजेयू।

Dainik Bhaskar - 22-7-2019

अच्छी खबर | यूजीसी दे सकता है इजाजत, पटवर्धन की अध्यक्षता में समिति का गठन

छात्र अब ले सकेंगे एक साथ कई डिग्रियां

नई दिल्ली, प्रेट्र: छात्रों के लिए अच्छी खबर आ रही है। ऐसी संभावना है कि छात्र अब जल्द ही विभिन्न विश्वविद्यालयों या एक ही विश्वविद्यालय से एक साथ अलग-अलग डिग्रियां हासिल कर सकेंगे। बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) इस विचार की व्यावहारिकता का अध्ययन कर रहा है।

इस मसले पर आयोग ने एक ही विश्वविद्यालय या भिन्न-भिन्न विश्वविद्यालयों से पत्राचार, ऑनलाइन या अंशकालिक तरीके से एक साथ दो डिग्रियों की पढ़ाई करने के मुद्दे का परीक्षण करने के लिए अपने अध्यक्ष भूषण पटवर्धन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है।

बता दें कि ऐसा पहली बार नहीं है जब आयोग इस मुद्दे का परीक्षण कर रहा है। आयोग ने 2012 में भी एक समिति बनाई थी और इस पर विचार-विमर्श किया गया था, लेकिन उस समय इस विचार को खारिज कर दिया गया। आयोग के एक अधिकारी ने कहा, 'पिछले माह यह समिति गठित की गई है और इसकी दो बैठकें भी हो चुकी हैं। अब विभिन्न पक्षों के साथ इस विचार की व्यावहारिकता पर गौर करने के लिए विचार-विमर्श चल रहा है।'

2012 में बनी थी फुरकान कमर समिति

इस मुद्दे पर विचार करने के लिए पहली समिति 2012 में हैदराबाद विश्वविद्यालय के तत्कालीन उपकुलपति फुरकान कमर की अध्यक्षता में बनी थी। समिति ने सिफारिश की थी कि नियमित तरीके (रेगुलर) के तहत डिग्री कोर्स में दाखिला पाने वाले छात्रों को उसी या अन्य विश्वविद्यालय से मुक्त (ओपेन) या दूरस्थ (डिस्टेंस) शिक्षा के माध्यम से अधिकतम एक अतिरिक्त डिग्री की पढ़ाई की इजाजत दी जा सकती है।

फुरकान कमर समिति की सिफारिश

फुरकान समिति ने हालांकि यह कहा था कि यदि कोई छात्र रेगुलर कोर्स में किसी विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा है तो वह दूसरी डिग्री के लिए उस या अन्य किसी विश्वविद्यालय में रेगुलर कोर्स में दाखिला नही ले सकता। उस छात्र को अपनी रेगुलर डिग्री के साथ उसी विश्वविद्यालय, किसी दूसरे विश्वविद्यालय या अन्य शिक्षण संस्थान से रेगुलर, ओपेन या डिस्टेंस मोड में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा की अनुमति दी जा सकती है।

ठंडे बस्ते में डाल दी गई थी फुरकान समिति की रिपोर्ट

यूजीसी के अधिकारी ने कहा, 'फुरकान समिति की रिपोर्ट पर आयोग ने वैधानिक परिषद से सुझाव मांगे थे, लेकिन जो सुझाव मिले वे उस विचार के पक्ष में नहीं थे कि छात्रों को एक साथ अलग-अलग डिग्री प्रोग्राम की अनुमति दी जाए। इसके बाद समिति की रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।'

बहुत से छात्र चाहते हैं एक से अधिक कोर्स

अधिकारी ने कहा, 'लेकिन अब उस विचार पर फिर से मंथन शुरू हो रहा है, क्योंकि टेक्नॉलाजी से काफी बदलाव आ चुका है। अब ऐसे छात्रों की संख्या बहुत है जो यह चाहते हैं कि एक रेगुलर डिग्री के साथ-साथ वह कोई दूसरा विशेष कोर्स भी कर सकें।'

Dinik Jagran - 22-7-2019

वॉल पेंटिंग से किया जागरूक

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की तरफ से गांव मिर्जापुर में स्वच्छता अभियान के तहत वॉल पेंटिंग अभियान चलाया गया। एनएसएस कैडेट्स ने गांव की मुख्य दीवारों पर पेंटिंग कर ग्रामीणों को प्लास्टिक, सॉलिड वेस्ट, ऑर्गेनिक वेस्ट के प्रति जागरूक किया। कैडेट्स ने खुले में शौच न करने और नशा न करने पर भी बल दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सैनी व डॉ. प्रीति प्रभाकर के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है।

अमर उजाला - 20-7-2019

मॉडल • अटेंडेंट्स इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के फायदे-पारदर्शिता रहेगी, फर्जीवाड़ा रुकेगा

जीजेयू स्टूडेंट्स ने ₹2500 में तैयार किया अटेंडेंट्स काउंटर, 10 मिनट लेट पहुंचे तो नहीं लगेगी हाजिरी

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के अटेंडेंस सिस्टम को सुधारने के लिए यंत्र तैयार किया है। इसे नाम दिया अटेंडेंस काउंटर। जैसे ही लेक्चर शुरू होता है तो टीचर अपना कार्ड पंच करते हैं, लेक्चर स्टार्ट होने पर 10 मिनट के अंदर ये बंद हो जाएगा। जिससे स्टूडेंट्स लेट होने पर अटेंडेंस नहीं लगा सकेंगे। यह यंत्र स्टूडेंट्स के साथ टीचर के लिए भी तैयार किया है। इसमें एटीएम की तरह दिखने वाले आरएफ कार्ड से स्टूडेंट्स व टीचर अटेंडेंट्स लगा सकते हैं। इसके जरिये स्टूडेंट्स की अटेंडेंस एक साथ दो

अटेंडेंस काउंटर यंत्र बनाने वाले जीजेयू के स्टूडेंट्स।

जगह पर सेव हो सकती है। यह एसडी कार्ड व कंप्यूटर में एक साथ सेव होगी। खास बात यह है कि सिर्फ 2500 रुपये में तैयार किया है। यह यंत्र इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के फाइनल ईयर के स्टूडेंट्स दीपक शर्मा व विनय राव ने तैयार किया है। उनके गाइड असि. प्रो. अजय पूनिया, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर असि. प्रो. विजयपाल व एचओडी प्रो. दीपक केडिया का भी सहयोग रहा।

जानिए... क्या है प्रोसेस: दीपक शर्मा ने बताया कि सबसे पहले आरएफ कार्ड को आईटी मॉडयूल पर स्वाइप किया जाता है। आईटी मॉडयूल, कार्ड में दिए गए डेटा का रीड करता है। अगर टीचर का कार्ड है तो यह यंत्र सेट की गई टाइमिंग के अनुसार लेक्चर को स्टार्ट कर देता है। वहीं टीचर की अटेंडेंस के बाद 10 मिनट तक स्टूडेंट्स अपनी अटेंडेंस लगा सकते हैं। मगर 10 मिनट के बाद जो भी स्टूडेंट्स इससे अटेंडेंट्स की कोशिश करेंगे, यह उस स्टूडेंट्स के डेटा का एक्सेप्ट नहीं करेगा।

"स्टूडेंट्स ने अटेंडेंस काउंटर नामक यंत्र तैयार किया है। इस यंत्र के जरिए स्टूडेंट्स की अटेंडेंस में पारदर्शिता आएगी। इसे यूनिवर्सिटी में लागू करने का प्रयास करेंगे।" – प्रो. टंकेश्वर कुमार, चीफ, जीजेयू।

Dainik Bhaskar - 22-7-2019

जीजेयू में पोस्टर मेकिंग व स्लोगन प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागी स्टाफ सदस्यों के साथ।

जीजेयू : स्लोगन प्रतियोगिता में नेहा सैनी और पोस्टर मेकिंग में मोहिनी व दीपाली रहे प्रथम

विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू के पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने सोमवार को जल शक्ति अभियान के तहत स्लोगन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इसमें नेहा सैनी को प्रथम व अनिल सैन को द्वितीय घोषित किया गया। मोहिनी व दीपाली के पोस्टर को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आर बास्कर ने बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. अनु गुप्ता, डॉ. मोना शर्मा व डॉ. संतोष भुक्कल ने किया। प्रो. प्रवीण शर्मा व प्रो. जितेन्द्र पाल, प्रो. मुकुल बिश्नोई भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिए जन आंदोलन खड़ा करना है। इस आंदोलन के तहत जल संरक्षक वर्षा के पानी का संग्रह, पारम्परिक जल स्त्रोतों का पुनरुत्थान, जल का दोबारा प्रयोग करना तथा जल के स्त्रोतों को फिर से पूर्ति करना, जल सुरक्षा से सम्बन्धित संसाधनों का विकास करना तथा जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागृत करना है। मानसून सीजन के दौरान प्रथम चरण में वर्तमान अभियान 15 सितम्बर तक चलाया जा रहा है। दूसरा चरण 1 नवम्बर से 30 नवम्बर तक चलाया जाएगा।

दैनिक भास्कर - 23-7-2019

आज विद्यार्थी पद, धन, रूप और बल की उम्मीद करता है, इन्हें पाने को बुद्धि की चाहत को खत्म कर दिया : डॉ. मन्ना

कहा- स्टूडेंट्स में शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने की भावना को जगाना शिक्षक पर निर्भर

जीजेयू में 'मोक्स ओपन एजुकेशनल रिसोर्स' पर साप्ताहिक कार्यशाला

भास्कर न्यूज | हिसार

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, न्यू दिल्ली के एडमिन एवं स्वयं के पूर्व निदेशक डॉ. मनप्रीत सिंह मन्ना ने कहा कि शिक्षक को शत् प्रतिशत ईमानदारी के साथ देश सेवा करनी चाहिए, क्योंकि शिक्षक ही देश का भविष्य बनाते हैं। डॉ. मन्ना जीजेयू के यूजीसी-मानव संसाधन विकास केन्द्र द्वारा 'मोक्स ओपन एजुकेशनल रिसोर्स' विषय पर आयोजित साप्ताहिक कार्यशाला के शुभारंभ पर बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्र के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने की। कार्यशाला समन्वयक प्रो. वंदना पुनिया व डॉ. अनुराग सांगवान हैं।

जीजेयू में आयोजित कार्यशाला में मुख्यातिथि डॉ. मनप्रीत सिंह मन्ना को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित करते हुए निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी व डॉ. वंदना पूनिया व अन्य।

इस मौके पर डॉ. मनप्रीत सिंह मन्ना ने कहा कि शिक्षक को हमेशा खुश रहना चाहिए, क्योंकि शिक्षक जो करता है विद्यार्थी भी वही देखकर सीखता है। शिक्षक को अधिक से अधिक अपनी भाषा का प्रयोग करना चाहिए। अपनी भाषा का प्रयोग किए बिना हम अपने बच्चों व विद्यार्थियों में संस्कार नहीं डाल सकते। यदि संस्कार नहीं रहेंगे तो हमारी संस्कृति भी खत्म हो जाएगी। आज विद्यार्थी भी सिर्फ चार चीजों की उम्मीद करता है जो पद, धन, रूप व बल है। इन चार चीजों को प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी ने बुद्धि की चाहत को खत्म कर दिया है। विद्यार्थियों में शिक्षा व ज्ञान प्राप्त करने की भावना को जगाना शिक्षक पर निर्भर करता है। शिक्षक को प्रत्येक नई टेक्नोलॉजी से अवगत रहना चाहिए। प्रो. नीरज दिलबागी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षकों से डिजिटल क्रांति के अनुरूप स्वयं को बदलने की अपील की, ताकि विद्यार्थियों के भविष्य में सकारात्मक बदलाव आ सकें।

दैनिक भास्कर - 23-7-2019

यादें लेकर पहुंचे शहीदों के परिजन • सम्मान समारोह में वीरांगनाओं व बेटे-बेटियों ने बताया कैसे बीते जिंदगी के 20 साल

शहीद हुए तब मैं 10 साल की थी, सदमे में मां 6 माह नहीं बोली, सरकार ने की मदद तो सरकारी स्कूल में लिया दाखिला, ट्यूशन पढ़ाकर पूरी की शिक्षा

...भर के ...नों को ...मानित

... | हिसार

... शहीद होने ...वंती देवी 6 ... थी, वह ना ...। परिवार के ...र्थिक खराब ...साल की उम्र ... के स्टूडेंट्स ...ने स्कूल की ...ूप में पहुंचे ... पिछले 20 ... के साथ यादें

... को कारगिल ...ह में प्रदेशभर ...ों के परिवारों ...गया। 'शहीद ... के चौधरी ... में जीजेयू, ...एवं संस्कृति ...म्मू कश्मीर ...णा सर्कल के ... में आयोजित ...दों के परिवार ...ारोह में प्रदेश ... परिवारों को ... प्रदेश में कई ...जित होने के ...41 शहीदों के ...। कार्यक्रम में ..., कॉलेज के ...।

परिवार के आर्थिक हालात इतने खराब हो गए कि रिश्तेदारों ने भी छोड़ दिया था साथ

पिता के शहीद होने पर पिछले 20 साल में परिवार को बहुत सी परेशानियां झेलनी पड़ी। सरकार ने शहीद के परिवार को नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन उन्हें नौकरी नहीं मिली। हम तीन-भाई बहन हैं। जब उसके पिता कारगिल युद्ध में शहीद हुए तो वह मात्र 10 साल की थी। बड़ी बहन शीतल 13 साल की थी और छोटा भाई 7 साल का। पिता के जाने पर किसी ने मदद नहीं की, हम भाई-बहनों की फीस देना भी मुश्किल हो गया था। रिश्तेदार भी मदद करने से पीछे हट गए। ऐसे केंद्रीय विद्यालय से 12वीं तक स्टडी की, क्योंकि वहां फीस कम थी। कॉलोनी की छोटी कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाकर जो मिलता, उससे अपनी फीस चुका देती थी। वे मूलरूप से गुड़गांव के गांव भौंडसी के रहने वाले हैं, लेकिन पिता के जाने पर दिल्ली में कारगिल शहीदों के लिए बनाए क्वार्टर में आकर रहने लगे। अब मैं डिजिटल मार्केटिंग के फील्ड में हूं। सैनिकों के बच्चे सामान्य बच्चों से अलग होते हैं, वो छोटी सी प्रॉब्लम पर घबराते नहीं हैं। -जैसा कि शहीद सूबेदार कैलाश सिंह की बेटी प्रतिभा ने बताया।

जीजेयू में सेना ने वाहनों और हथियारों की एक विशेष प्रदर्शनी लगाई। इसमें युवक-युवतियों ने हथियारों के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी ने भी एक प्रदर्शनी लगाई।

शहीद होने के 10 दिन बाद पहुंचा उनका खत, मैं अब भी लिखती हूं, लेकिन एड्रेस का पता नहीं

हम एक-दूसरे को लैटर लिखा करते थे। जब भी लैटर लिखती तो उसका जवाब भी वो बिना वक्त गंवाए दिया करते। मैंने खत लिखा, उन्होंने उसका जवाब भी लिख छोड़ा था, मगर वह चिट्ठी घर पहुंचे से पहले ही 1999 में वो शहीद हो गए और उनका पार्थिव शरीर घर पहुंच गया। उनका लिखा खत उनकी शहादत के 10 दिन बाद घर पहुंचा था। उन्होंने मुझसे दूर जाने से पहले वो खत मेरे लिए लिखा था मगर सास-ससुर ने मुझे वो पढ़ने नहीं दिया। उन्हें डर था कि उसे पढ़ते वो कहीं मुझे भी ना खो दें। उस भयावह घटना के बाद भी मैंने उन्हें लैटर लिखने का सिलसिला जारी रखा है। मगर पोस्ट करने के लिए कोई पता नहीं मिला। और ना ही कोई जवाब। 2 साल की बेटी और सिर्फ 5 महीने के बेटे के साथ मैं अकेली ही रह गई। मुझे याद है वो युद्ध से पहले जनवरी में घर आए थे। जब घर आए थे तो अजीब सी बातें कहते थे। तुम मेरे बाद संभाल लोगी ना... कोई किसी का नहीं होता। मैं बार-बार उन्हें चुप कर देती। -जैसा कि झज्जर के ढाकला गांव के शहीद सैनिक [illegible] की पत्नी [illegible] ने बताया।

तब मैं 4 साल का था, सिर्फ एक तस्वीर ही देखी है

तब मैं सिर्फ 4 साल का था। मुझे नहीं याद है कि मैं उनके साथ खेला भी था या नहीं। 3 से 4 साल के बच्चे को उनके पापा के साथ देख मैं कभी-कभी धुंधली सी तस्वीर बनाने की कोशिश करता हूं। मगर वो तस्वीर पूरी नहीं कर पाता। और आंखें खोल आगे बढ़ना शुरू कर देता हूं। मगर मम्मी से पूछ-पूछ कर मैं उनकी आदतों, बातों, तौर-तरीके खोजते हुए पूरी फिल्म बना लेता हूं। रात मैं यही फिल्म देखकर सोता हूं। सरकार की मदद और दादा-दादी के साथ की वजह से मां ने हम दोनों भाइयों को पढ़ाया-लिखाया। उन्होंने हमें एक पेट्रोल पंप दिया। जिसमें हम भाइयों ने मिलकर 3 और खरीदें हैं। -जैसा कि झज्जर के देसलपुर गांव के शहीद हवलदार जयप्रकाश के बेटे देवेंद्र ने बताया।

शहीद पिता के शव को मैं ही लेकर आया था गांव

मेरे पिता के शव को कारगिल से मैं ही लेकर आया था। मैं मेरे पिता के साथ ही सेना में सिपाही के पद पर था। शहीद पिता हवलदार महाबीर सिंह के साथ ही कारगिल युद्ध के दौरान भी वहां मौजूद था। पिता के जाने के तीन साल के बाद मैंने वीआरएस ले ली, क्योंकि घर संभालने के लिए कोई नहीं था। पिता की शहादत के बाद सरकार की तरफ से पेट्रोल पंप मिला, फिलहाल उसी को चला रहा हूं। माता जावित्री देवी के साथ जीजेयू में सम्मानित किया गया, शहीद पिता पर मुझे और पूरे गांव को बहुत गर्व है। -जैसा कि धिराय गांव के शहीद महाबीर सिंह के बेटे करणसिंह ने बताया।

मेरे दुनिया में आने से 3 माह पहले पापा शहीद हो गए

हरियाणा के 74 वीर जवान मिनिस्ट्रियल स्टाफ में क्लर्क पिता आशीष कुमार कारगिल युद्ध में शहीद हुए थे। जब पिता कारगिल युद्ध में शहीद हुए तो मैं मां के गर्भ में थी। दुनिया में आने के बाद मैंने अपने पिता को सिर्फ तस्वीरों में ही देखा है। पिता के जाने के बाद घर के आर्थिक हालात काफी बिगड़ गए थे। मां बिमला देवी ने कपड़े सिलकर मुझे पढ़ाया है। पिता की पेंशन काफी कम होती थी, इसके चलते उन्होंने भैंसे पाली व खेतीबाड़ी भी की। अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए क्लर्क की जॉब हासिल की है। हालांकि सेना में नहीं, लेकिन वह फिलहाल [illegible] कोर्ट में क्लर्क की जॉब कर रही हैं। -जैसा कि [illegible] के शहीद आशीष कुमार की बेटी ज्योति [illegible] ने बताया।